श्री नारायण स्वरूप शर्मा :

क्या वैदेशिक-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बर्मा के बैंकों में भारतीय राष्ट्रजनों की कुल कितनी राशि जमा है ;

(ख) क्या यह सच है कि बर्मा से लौटे भारतीय राष्ट्रजनों को बर्मा के बैंकों से अपना धन निकालने में काफी कठिनाई हो रही है ; और

(ग) यदि हां, तो अपना धन वापिस लेने में उनकी सहायता करने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

वैदेशिक-कार्य मन्त्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) 1965 के अनुमान के अनुसार बर्मा के बैंकों में भारतीय राष्ट्रिकों की कुल राशि जमा 2 करोड़ क्यात हैं। जो 3 करोड़ से कुछ अधिक रुपयों के बराबर हैं। 1965 के बाद इस राशि में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

(ख) और (ग). जो भारतीय बर्मा छोड़ कर भारत लौट आए हैं उनका बर्मा के बैंकों में नकद जमा लगभग 15 लाख क्यात है। इस धन को वापिस लेने का प्रश्न बर्मा से भारतीय आस्तियों को वापस लेने के सामान्य प्रश्न से जुड़ा है, जिस पर दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही है।

Subsidies given to Exporters

2698. SHRI GEORGE FERNANDES : Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state .

(a) the rate of subsidy offered to various exports of Indian goods during the last four years ;

(b) the impact of such subsidies on the national budget ; and

(c) whether Government would stop subsidies in future ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) to (c). A number of Indian industrial products face a range of difficulties in penetrating overseas markets. These difficulties stem from the stage of industrial production, its efficiency, cost of certain raw materials and intermediate products. To put our exporters in a position to overcome their difficulties Government provides assistance to build up their marketing competence and competitive export production, from the Marketing Development Fund, details of which are given in the Budget.

The nature and range of assistance to be provided is kept under constant review in the light of international competition and the development of competitive capability in the country.

Indian Team to Japan for Export of Iron Ore

2699. SHRI HIMATSINGKA :
SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI :
SHRI P. C ADICHAN :
SHRI S. K TAPURIAH :
SHRI MANIBHAI J. PATEL :
SHRI P. M. SAYEED :

Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state :

(a) whether an Indian team had recently visited Japan to negotiate with the Japanese Steel Industry for the sale of 4 million tons of iron ore per year ;

(b) if so, the result of the visit and whether any agreement has since been signed and if so, the terms thereof ;

(c) to what extent our present export of iron ore to Japan would be increased in the light of the said agreement ; and

(d) the total quantity of Iron Ore produced in India per year at present and the names of the countries importing this ore from India and to what extent in each case ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) to (c). A delegation of the Minerals and Metals Trading Corporation visited Japan in September, 1968 concluded a contract for the sale of 1.55 million tons, with an option of 0.15 million tons of Bailadila ore to be delivered during the period 1.4.68 to 31.3.69. Disclosure of

the terms of commercial contract would not be in the business interest of M.M.T.C., who is charged with the responsibility of promoting sales of iron ore to all countries.

(d) 27.02 million tonnes of iron ore were produced in the country during 1968.

A statement indicating the names of the countries to which exports of iron ore were made and the quantities of ore exported during 1968 is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-310/69].

मैसर्स विग इंडिया लिमिटेड, मद्रास

2700. **श्री श्रीगोपाल साहू :**
श्री वंश नारायण सिंह :
श्री ओंकार सिंह :
श्री कंवर लाल गुप्त :

क्या वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मैसर्स विग इंडिया लिमिटेड, मद्रास द्वारा जनवरी, 1968 से 31 दिसम्बर, 1968 तक की अवधि में निर्मित वस्तुओं का, माहवार ब्यौरा क्या है ;

(ख) 31 मार्च, 1967, 31 मार्च, 1968 तथा 31 दिसम्बर, 1968 को उसके पास कुल कितना माल था ;

(ग) क्या यह सच है कि अमरीका के खरीददारों ने कहा है कि अब वस्तुएं घटिया दर्जे की बनने लगी हैं ; और

(घ) यदि हाँ, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्रालय में उप मन्त्री (श्री चौधरी राम सेवक) : (क) एक विवरण जिसमें निर्मित माल का मूल्य, मासवार दिखाया गया है, सभा पटल पर रखा गया है। [**पुस्तकालय में रखा गया है। देखिए संख्या** LT—311/69]

(ख) बालों तथा बाल उत्पादों के स्टाकों का मूल्य निम्नोक्त प्रकार था :

31-3-1967	31,01,526 रु०
31-3-1968	99,94,233 रु०
31-12-1968	94,63,390 रु०

(ग) समय समय पर खरीदार माल की किस्म सुधारने के बारे में सुझाव देते रहते हैं। उन्होंने तैयार उत्पादों की कारीगरी की सामान्यत: प्रशंसा की है। उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि तेजाब, उपचार, धुलाई तथा रंगाई की प्रविधियों में कुछ परिवर्तन करके बालों को साधित करने के तरीके में कुछ सुधार किया जा सकता है।

(घ) सुधार के लिये आवश्यक संयंत्र लगाये जा चुके हैं तथा अपेक्षित रसायन प्राप्त कर लिये गये हैं। अब कारखाने द्वारा नई प्रविधियां अपनाई जा रही हैं।

Export of Ores and Mineral Products by M M.T.C. from Gujarat

2701. SHRI NARENDRA SINGH MAHIDA : Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state the quantum of various kinds of ores and mineral products exported by the Minerals and Metals Trading Corporation from the Gujarat region since it started operating there ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : The following quantities of mineral ores from Gujarat region have been exported by the M.M.T.C.

(Qty : Lakh Metric Tonnes)

Year	Manganese Ore	Bauxite
1963	0.36	—
1964	0.53	—
1965	—	0.56
1966	0.06	0.85
1967	—	0.22
1968	—	—

Export of Bananas from Gujarat

2702. SHRI NARENDRA SINGH MAHIDA :